

हुकम या कार्यवाही मय इनिशिवल्स जज

नम्बर व ता.
अहकाम जो इस
हुकम की तामील में
जारी हुए

०-८-१७

पत्रावली पेशा दुर्गे पक्षकारान को तीन बार तक
कर झावाज दिलाई गई पक्षकारान बाबजूद सूचना अनुपस्थित
सेही स्थिति में पत्रावली को छोड़े चलये जाना उचित
प्रतीत नहीं होता है अतः पत्रावली मद्रम रजनी मद्रम
पेरी में रजिस्ट्र की जाती है पत्रावली फेसल शुमार
होकर नम्बर से कम की जावे।

निर्णय आज दिनांक ३०-८-१७ को खुले न्यायालय में
सुनया गया /

१. प्रहलाद पुत्र गोपाल
२. रामरतन पुत्र गोपाल
३. रामचरण पुत्र गोपाल
४. विश्वीलाल पुत्र गोपाल
५. काल्याणी बाई पुत्री गोपाल
६. प्रेम बाई पुत्री गोपाल
७. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन
८. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन
९. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन
१०. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन
११. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन
१२. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन
१३. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन
१४. रामचन्द्र पुत्र श्रीकिशन

वाद करते तद्वारा व स्थायी निवेद्याज्ञा
अन्तर्गत धारा ५३, १०८ आरटीएक्ट

वादी-निम्न लिखित आधारों पर वाद-पत्र पेश कर नियेदन